

### श्रसाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II--खण्ड 3---उपसण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राचिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 205] नई विस्ली, बृहस्पतिबार, विसम्बर 10, 1970/ग्रग्रश्लायण 19, 1892 No. 205] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 10, 1970/AGRAHAYANA 19, 1892

इस भाग में भिन्न पुट्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December 1970

- G.S.R. 2008.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (1st Amendment) Rules, 1971.
  - (2) They shall come into force on the 1st January, 1971.
- 2. In the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules) in rule 2, after clause (yy), the following clauses shall be inserted, namely:—
- (zz) Long distance charging area (LDCA) means one of the several areas in which the country is divided by the Telegraph Authority and declared as such for the purpose of charging for trunk calls;
- (ab) Long distance charging centre (LDCC) means a particular Trunk Exchange in a Long Distance Charging Area declared as such by the Telegraph Authority for the purpose of charging for long distance calls.

- 3. In rule 451 of the said rules, for Section A, the following Section shall be substituted, namely:—
  - A: The charges for trunk calls between two stations situated in the same Long Distance Charging Area or in two contiguous charging areas shall be determined by the radial distance between the respective trunk exchanges and for trunk calls between two stations situated in non-contiguous Long Distance Charging Areas, by the radial distance between the respective Long Distance Charging Centres.

The charges for Unit call of ordinary category shall be calculated as follows:—Radian distance between any two exchanges or between any two Long Distance Charging Centres.

Up to 20 Kilometers								0,50
Exceedit								7,00
*	50	•	91		**	100	H	2.00
#17	100	39	29	24	<b>p.p</b>	200	<b>7</b> 4	9,00
7#	200	**	**	19	*	500	••	5.00
,,	500	,.	19	119	• •	900	••	8,00
#+	900		**	4	**	1300	**	12.00
**	1320		٠,	• >	**			16,00

[No. 21-11/68-PHT.]

N. V. SHENOI,

Senior Member (T.O)

P&T Board and Ex. Officio Additional Secy.

# ्संबार विनाग (शक-तार वोत्री)

## धिससूचना 1

### नई दिल्ली, 10 दिस्मबर 1970

सा० का० नि० 2008:——भारतीय तार प्रधिनियम, 1885 (1885 का 13) की घारा 7 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतर द्वारा भारतीय तार नियम, 1951 के और प्राने संशोधन करने के लिए निम्नसिखित नियम बनाती है, प्रथात् :---

- 1. (1) ये नियम भारतीय तार (पहला संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
  - (2) ये पहली जनवरी, 1971, को प्रवृक्त होंने ।
- 2. भारतीय तार नियम, 1951 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया
  - है) में नियम 2 में, खण्ड (म म) के पश्चात निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किए जायेंगे, अर्थात् :----
  - (यय) सुदूर प्रभारण क्षेत्र (सु० प्र० क्षे०) से उन अनेक ऐसे क्षेत्रों में से कोई अभिप्रेत है जिनमें देश तार प्राधिकरण द्वारा विभाजित किया गया है और जो ट्रंक कालों के प्रभारण के प्रयोजन के लिए इस ४५ में घोषित है;
  - (क खा) सुदूर प्रभारण के-प्र (सु० प्र० के०) से तार गांपि हरण आया. सुदूर कालों के प्रभारण के प्रयोजन के लिए, ऐसे बोवित सुदूर प्रभारण क्षेत्र में कोई विक्षिष्ट टंक एक्सर्वेज समित्रेत हैं।

3. उक्त नियम के नियम 451 में, ग्रनुभाग क के स्थान पर निम्नलिखित ग्रनुभाग प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात :--

The state of the s

क. एक ही सुदूर प्रभारण क्षेत्र में या अप्यत में लगे हुए वो प्रभारण क्षेत्रों में स्थित दो स्टेशनों के बीच ट्रंक टालों के निर्मान उत्तर उत्तर एक एक्सनेंजों के बीच की अरीध दूरी के अनुसार तथा अप्यत में लाले हुए सुदूर प्रभारण क्षेत्रों में स्थित दो स्टेशनों के बोच ट्रंक कालों के लिए उनकी सुदूर प्रभारण केन्द्रों के बीच की अरीध दूरी के अनुसार अवधारित किया जाएगा।

साधारण कोटि की यनिट काल के लिए प्रभार निम्नलिखित प्रकार से संगणित किया जाएगा :--

किन्हीं दो एक्सचेंजों के बीच या किन्हीं दो	प्रभार	
दूरवर्ती प्रभारण केन्द्रों के बीच ग्ररीय दूरी	मृ० पै०	
20 किलोमीटर तक	0.50	
20 किलोमीटर से ग्रधिक किन्तु	1.00	
50 किलोमीटर से ग्रनधिक		
50 किलोमीटर से ग्रधिक किन्तु	2.00	
100 किलोमीटर से श्रनधिक		
100 किलोमीटर से ग्रधिक किन्तु	3,00	
200 किलोमीटर से श्रनधिक		
200 किलोमीटर से ग्रधिक किन्तु	5.00	
500 किलोमीटर से श्रनधिक		
500 किलोमीटर से श्रिधिक किन्तु	8.00	
900 किलोमीटर से श्रनधिक		
900 किलोमीटर से श्रधिक किन्तु	12.00	
1300 किलोमीटर से अनिधिक		
1300 किलोमीटर से ग्रधिक	16.00	

[सं० 21-11/68-पी० एच० ही०] एन० वी० शेणाय,

ग्रीर पदेन ग्रतिरिक्त सिचन ।

# MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (Department of Petroleum)

#### CORRIGENDUM

In the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals Order No. F. 1/30)/70-PPD (Issue No. 101), dated the 1st June 1970 published as C.S.R. 864 in the Gazette of India. Extraordinary, Part II, Section 3, Sob-section (i), on page 517 in the 3rd line of the said Order for the figure "1956" read "1966".